बैठे हो चुप क्यों सांवरे | By Rajneesh sharma |

शबनम से फूल क्या खिले
जब तक बरसात न हो
तेरी से से दिल क्या भरे
जब तलक बात न हो
****
बैठे हो चुप क्यों सांवरे
बोलो क्या बात है
भक्तों के संग झूम लो
कीर्तन की रात है
बैठे हो चुप क्यों सांवरे
बोलो क्या बात है

दुल्हा बनाया है तुम्हें
भक्तों ने झूम के
ये हो रहे हैं बावरे
कदमों को चूम के
भक्तों की आई सांवरे
सज के बारात है

भक्तों के संग झूम लो
कीर्तन की रात है
बैठे हो चुप क्यों सांवरे
बोलो क्या बात है

ऐसा ग़ज़ब समां प्रभु
मस्ती सी छा रही
मुस्कान तेरी सांवरे
क्या ज़ुल्म ढा रही
सज धज के बैठे सांवरे
वाह वाह क्या बात है

भक्तों के संग झूम लो
कीर्तन की रात है
बैठे हो चुप क्यों सांवरे
बोलो क्या बात है

लेके बलैयाँ सांवरे
तेरी नज़रें उतार लूं
कहता है रोमी आज मैं
जीवन संवार लूं
हमको ये रात मिल गई
क़िस्मत की बात है

भक्तों के संग झूम लो
कीर्तन की रात है
बैठे हो चुप क्यों सांवरे
बोलो क्या बात है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a5%88%e0%a4%a0%e0%a5%87-%e0%a4%b9%e0%a5%8b-%e0%a4%9a%e0%a5%81%e0%a4%aa-%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a5%8b%e0%a4%82-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a5%87-by-rajneesh-s/